भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् – राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा, सरसों की फसल में समेकित नाशीजीव प्रबंधन पर सरसों खेत दिवस का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् – राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा, सरसों की फसल में समेकित नाशीजीव प्रबंधन पर सरसों खेत दिवस का आयोजन दिनांक 25/02/25 को गाँव बासलामबी, गुरुग्राम, हरियाणा में किया गया। सरसों खेत दिवस में किसानों को सरसों की उन्नत खेती की तकनीकों के बारे में बताया गया एवं फसल की कटाई से पूर्व की जाने वाली गतिविधियों जैसे कि कीटों/बिमारियों की निगरानी के विषय में सलाह दी गयी। भाकृअनुप-रासनाअनुसं के निदेशक डॉ मुकेश सहगल ने रासायनिक कीटनाशकों के दुरूपयोग से होने वाली हानि के विषय में विस्तार से चर्चा की एवं सरसों में अधिकाधिक समेकित नाशीजीव प्रबंधन के उपयोग पर बल दिया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ सुरेन्द्र कुमार सिंह ने कीटों के समेकित नाशीजीव प्रबंधन एवं सरसों में मधुमक्खियों की महत्ता के बारे में चर्चा की एवं डॉ. महेंद्र सिंह यादव, प्रधान वैज्ञानिक ने किसानों को सरसों की फसल में समेकित नाशीजीव प्रबंधन पद्धति के बारे में बताया एवं जैविक नियंत्रकों के उपयोग करने की अनुशंसा की। ट्राईकोडर्मा एवं अन्य सूक्ष्मजीवी जैविक नियंत्रकों के सही उपयोग, एवं मृदा को स्वस्थ रखने के लिए गतिविधियों की जानकारी डॉ रेखा बलोदी, वैज्ञानिक द्वारा दी गयी । कार्यक्रम में डॉ कुलदीप यादव, श्री मनोज यादव, वेद प्रकाश, प्रदीप पूर्व सरपंच सहित 50 अन्य किसानो ने भाग लिया । इस अवसर पर किसानों को सरसों में समेकित नाशीजीव प्रबंधन का प्रसार पत्रक वितरित किया गया ।

भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसन्धान केंद्र
ICAR-National Research Centre for Integrated Pest Management
NCIPM